सत्यमेव जयते

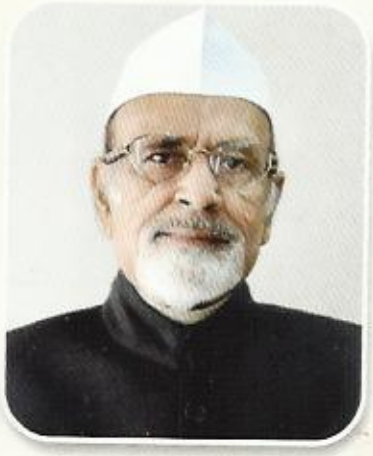

66वें गणतंत्र दिवस

के अवसर पर

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

डॉ. सैयद अहमद

का

अभिभाषण

26 जनवरी 2015, राँची

गणतंत्र दिवस 2015 के अवसर पर
माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

प्यारे भाइयों, बहनों, बच्चों एवं परेड में भाग लेने वाले जवानों,

जोहार!

राष्ट्र के 66वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ। इस पावन अवसर पर मैं उन सभी महान हस्तियों को नमन करता हूँ, जिनकी कुर्बानी और रहनुमाई ने देश को गुलामी की जंज़ीरों से आज़ाद कराया। हमारे राज्य के कई महान सपूतों ने भी जंग–ए–आज़ादी में त्याग और बलिदान का बड़ा उदाहरण पेश किया, मैं उन सभी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मैं उन सभी बहादुर जवानों को भी सलाम करता हूँ, जिन्होंने अपने मुल्क की आज़ादी को बरक़रार रखने के लिए अपनी जान तक की परवाह नहीं की।

2. हम विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के वासी हैं, यह हम सभी देशवासियों के लिए फख्र की बात है। देश के संविधान में ऐसे समाज की कल्पना की गई है, जिसमें न तो आर्थिक विषमता हो और न ही सामाजिक भेद–भाव। हमारे महान नेताओं ने बेहतर, सशक्त व समृद्ध राष्ट्र के निर्माण का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने में हम कहाँ तक कामयाब हुए हैं, यह हमें देखना होगा।

3. मेरे प्यारे राज्यवासियों, हम अपने गणतंत्र की कामयाबी पर गौर करें, तो भारत ने सभी क्षेत्रों में तरक़्क़ी की है व अपनी चमक बिखेरी है। विज्ञान, तकनीक, सूचना

तकनीक, अंतरिक्ष, कृषि उपकरण सहित खेल आदि में भारत ने कई रिकॉर्ड क़ायम किये हैं और दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई है। इन कामयाबियों पर पूरे देश को नाज़ है। हमारे राज्य ने भी इसमें अहम भागीदारी निभाई है, लेकिन कई मुद्दे हैं जिन पर हमें अभी बहुत काम करना बाकी है।

4. आतंकवाद एवं उग्रवाद राज्य एवं राष्ट्र के विकास में बड़ी चुनौती हैं। राज्य में वामपंथी उग्रवाद की समस्या से निबटने के लिए सरकार ने सख्त रुख़ अपनाया है। सरकार ने सुरक्षा उपाय को विकास कार्य से जोड़कर एक अच्छी राजनीतिक पहल की है। अब सुरक्षा बल नक्सलियों के खिलाफ अभियान के साथ–साथ विकास कार्यों में भी शामिल हो सकेंगे। नक्सल प्रभावित इलाकों में प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का जाल बिछाया जायेगा। स्थानीय लोगों की मदद से सभी छोटी–बड़ी सड़कें बनाई जायेंगी। मैं विकास की राह से भटके उन सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि वे हिंसा का रास्ता छोड़ दें क्योंकि हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं है।

5. हमारे राज्य की अर्थव्यवस्था ग्रामीण है, जिसकी 70–80 प्रतिशत आबादी अभी भी जीविका हेतु कृषि, पशुपालन, मछली–पालन, वानिकी एवं इससे जुड़े क्षेत्रों पर निर्भर करती है। हमारी सोच है कि कृषि के क्षेत्र में विकास कर इससे जुड़े लोगों के जीवन–स्तर में सुधार लाया जाय। हमारे राज्य की कृषि मुख्य रूप से वर्षा जल पर निर्भर है। पठारी भूमि होने के कारण वर्षा जल का मात्र 30 प्रतिशत ही संचित हो पाता है। जल एवं भूमि संरक्षण तथा आजीविका की हालत में सुधार के लिए ग्रामीण

इलाकों में समेकित जलछाजन प्रबंधन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राज्य के कुल 266 सरकारी तालाबों को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। झारखण्ड राज्य में किसानों को बेहतर तकनीक की ट्रेनिंग देने के लिए एवं किसान, पदाधिकारी तथा कर्मियों में क्षमता बढ़ाने के मकसद से झारखण्ड एग्रीकल्चर एण्ड सोएल मैनेजमेंट इन्स्टीच्यूट ''जैसमीन'' कायम की गई है। इसमें लगभग 15000 किसानों, पदाधिकारियों तथा कर्मियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। यह हम सभी के लिए बहुत ही खुशी की बात है कि कृषि के क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए हमारे राज्य को लगातार तीसरी बार ''कृषि कर्मण पुरस्कार'' से नवाज़ा गया है।

6. किसानों को सिंचाई योजना का लाभ पहुँचाने के मक़सद से कोकरो सिंचाई योजना, काँची सिंचाई योजना, किता वीयर योजना, कैराबनी जलाशय योजना, बड़ा नदी योजना, भौरा बाँध बराज योजना जैसी पुरानी सिंचाई योजनाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। सूखाग्रस्त पलामू जिला के पांकी प्रखंड मुख्यालय के पास अमानत नदी पर बराज बन चुका है तथा नहर बनाने का काम जारी है। नागरिकों की सुविधा हेतु सिंचाई योजना से संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने का भी काम किया जा रहा है।

7. केंद्र प्रायोजित योजना National Mission on Sustainable Agriculture (NMSA) राज्य के 06 जिलों यथा – राँची, हज़ारीबाग़, चतरा, पलामू, दुमका एवं

पूर्वी सिंहभूम में लागू की जा रही है, जिसके तहत 06 जिलों में 15 कलस्टर का चयन किया गया है, इनमें 09 कलस्टर फसल आधारित एवं 06 कलस्टर बागवानी आधारित होंगे। सभी 259 प्रखंडों में कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र कायम किये गये हैं। इनके ज़रिये किसानों को सभी प्रकार की जानकारी मिल सकेगी।

8. झारखण्ड राज्य की ग्रामीण आबादी की आर्थिक हालत को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा पशुपालन एवं दूध उत्पादन के क्षेत्र में कई अहम योजनाएँ चलाई जा रही हैं। झारखण्ड स्टेट को–ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लि. का गठन इस दिशा में अहम क़दम है।

9. हमारी सरकार की मंशा है कि ग्रामीण इलाके में लोगों को रोज़गार का अवसर मुहय्या कराकर उनकी आर्थिक हालत को बेहतर बनाने के साथ–साथ सबको प्रोटीन युक्त भोजन मुहय्या कराया जाय। इसी मक़सद से बेरोज़गार ग्रामीणों के बीच राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं विधवा सम्मान योजना के तहत ब्रायलर की इकाई का वितरण किया जा रहा है।

10. झारखण्ड राज्य के गठन के बाद मछलीपालन के क्षेत्र में हमें बहुत सफलताएँ हासिल हुई है। इस दिशा में और कामयाबी हेतु फीड बेस्ड फिशरीज़ को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है तथा मछली पालकों को वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

11. राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में ज़मीनी दस्तावेज़ों यथा खतियान का कम्प्यूटरीकरण (Computerisation) एवं राज्य में ज़मीन के नक्शे का कम्प्यूटरीकरण का कार्य किया जा रहा है। तेरह ज़िलों में यह शुरू हो चुका है। राँची ज़िला में ऑनलाईन म्यूटेशन का काम शुरू हो चुका है।

12. युवाओं में कौशल विकास ज़रूरी है एवं झारखण्ड सरकार भी इस खास मकसद को पूरा करने की दिशा में पूर्णरूपेण तत्पर है, इस हेतु झारखंड कौशल विकास मिशन कायम किया गया है।

13. ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गांवों के पिछड़ेपन को दूर करने, वहाँ के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, गाँवों की मुकम्मल तरक़्क़ी तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के मक़सद से केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर तेज़ गति से काम कराया जायेगा, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

14. राँची सहित राज्य के छः बड़े शहरों– धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो स्टील सिटी, देवघर तथा दुमका को स्मार्ट सिटी के रुप में विकसित किया जायेगा, जिससे राज्य की जनता को बेहतर सुविधाएँ मुहय्या करायी जा सकें।

15. राँची शहर के यातायात को सुगम और बेहतर बनाने के विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

16. बेहतर इलाज की सुविधा को जन–जन तक पहुँचाने के लिए हमारी सरकार कोशिश कर रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं को समाज के अन्तिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए

दूर–दराज़ के इलाकों से लेकर शहरी इलाकों के विभिन्न अस्पतालों के लिए भवन बनाने का काम जारी है। डॉक्टरों के रिक्त पदों पर भी जल्द ही बहाली की जायेगी।

17. राज्य के सभी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा मुहय्या कराने के मक़सद से प्राथमिक विद्यालयों में सहायक शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की जा रही है।

18. राज्य में उच्च शिक्षा के विस्तार हेतु शिक्षण संस्थान कायम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यार्थियों को बेहतर और गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ हो, यह कोशिश है। तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

19. निजी क्षेत्रों के तकनीकी संस्थानों को सरकार द्वारा एक Platform पर सभी आधारभूत संरचनाओं को उपलब्ध कराये जाने के मक़सद से तकनीकी शिक्षा परिसर (Technical Education Hub) क़ायम किये जाने का प्रस्ताव है।

20. ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के मक़सद से पी.टी.पी.एस. को एन.टी.पी.सी. द्वारा अधिग्रहित किया जा रहा है। साथ ही पतरातू में एन.टी.पी.सी. द्वारा नयी ऊर्जा उत्पादन इकाई का निर्माण कराया जायेगा। विद्युत बोर्ड विखण्डन के बाद बनी चारों कम्पनियों का नये सिरे से पुनर्गठन किया जा रहा है। अब डी.वी.सी. कमाण्ड एरिया में विद्युत आपूर्ति में बढ़ोतरी की जा रही है, जिससे रामगढ़, हज़ारीबाग़, चतरा, गढ़वा, गिरिडीह, धनबाद तथा बोकारो को पर्याप्त बिजली सुलभ करायी जा सकेगी।

21. बेहतर सड़कों का निर्माण और उनका विकास किसी भी प्रदेश की तरक़्क़ी का आईना होती है। इस वर्ष अब तक 565 कि.मी. पथों एवं 11 पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 1470 कि.मी. पथ एवं 17 पुलों के निर्माण का कार्य स्वीकृत किया गया है। बाह्य संपोषित योजना अन्तर्गत एशियन विकास बैंक के सहयोग से सौ पथ एवं चाईबासा, खूँटी, लोहरदगा, गिरिडीह, गोड्डा एवं पाकुड शहरों के लिए बाईपास के उन्नयन पुनरूद्धार, चौड़ीकरण एवं मज़बूतीकरण कार्य को शीघ्र शुरू किया जायेगा।

22. विश्व में भारत ही ऐसा देश है जहाँ सबसे अधिक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इन सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए राज्य में पूर्व से लागू सेवा प्रदाय अधिनियम 2011, जो फायदेमंद है, को और अधिक कारगर बनाया जायेगा, ताकि सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ जनता को मिल सके।

23. प्रधानमंत्री जन–धन योजना के तहत पूरे राज्य में 24 लाख से अधिक नये बैंक खाते खुल चुके हैं, जिनमें से 12 लाख से अधिक लोगों को डेबिट कार्ड भी मुहय्या कराया जा चुका है। सभी लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुलभ कराने के लिए सीधे नगद हस्तातंरण (DBT) योजना की शुरूआत की गई है। सरकार की हर योजना को पारदर्शी तरीक़े से लागू करने के मक़सद से इसमें सभी योजनाएँ शामिल हैं। इस योजना के तहत लाभुकों के बैंक खातों के ज़रिये सीधे नगद राशि सुलभ कराने का मक़सद है।

24. राज्य में जहाँ एक ओर खेल एवं युवा कार्यों की हौसला आफज़ाई की जा रही है, खिलाड़ियों की प्रतिभा को विकसित करने की कोशिश की जा रही है। सांस्कृतिक विधाओं की हिफ़ाज़त एवं उन्हें विकसित करने का भी काम किया जा रहा है। ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के क्रम में राँची स्थित ऑड्रे हाउस के जीर्णोद्धार का काम अंतिम चरण में है।

25. अंत में, मैं एक ऐसे झारखण्ड की परिकल्पना करता हूँ, जो गरीबी, बेरोज़गारी, अशिक्षा एवं भ्रष्टाचार आदि से मुक्त हो और भारत के अन्य विकसित राज्यों के बीच अपनी पहचान बना सके। मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि आप इस परिकल्पना को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें।

न थक के बैठ रहो, और ना हौसला हारो
चले चलो के, वो मंज़िल बुला रही है तुम्हें।।

26. इस अवसर पर मैं परेड में भाग लेने वाले जवानों तथा झांकी प्रस्तुत करने वाले संस्थानों की सराहना करता हूँ तथा एक बार फिर आप सभी को 66वें गणतंत्र दिवस की तहे दिल से बधाई देता हूँ।

जय हिन्द! **जय झारखण्ड!**